गोपाल पुञ्ज

वर्ष : 3 || अंक : 9-10 || जीन्द, जनवरी-फरवरी 2022 || पृष्ठ : 4 ■ Web : www.gvmjind.com ■ E-mail : gvmschooljind@yahoo.co.in

समाज का श्रेष्ठ नागरिक बनाने के लिए विद्यार्थी के समग्र विकास का काम करती है विद्या भारती : जितेन्द्र सैनी

संपादक दीपक कौशिक ने विद्यालय के अध्यक्ष जितेन्द्र सैनी से मुलाकात कर गोपाल विद्या मंदिर के उद्देश्यों और योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रस्तुत हैं साक्षात्कार के प्रमुख अंश :-

प्रश्न : विद्यालय के 47 साल के इतिहास को आप कैसा देखते हैं और उसके भविष्य के बारे में आपकी क्या राय है?

उत्तर : विद्या भारती की योजना अनुरूप चल रहे हमारे विद्यालय का इतिहास बहुत ही स्वर्णिम रहा है और इसका भविष्य भी उज्ज्वल है। 13 अप्रैल 1975 को यह विद्यालय एक छोटे से पौधे के रूप में आरंभ हुआ था जो अब शिक्षा के क्षेत्र का एक वटवृक्ष बन गया है हमारे विद्यालय के छात्र छात्राओं ने शिक्षा में ही नहीं बल्कि कला, विज्ञान, खेल आदि सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिसका एक उदाहरण हमारे विद्यालय की 2 छात्राएं प्रियंका व मीनू जिन्होंने अल्माटी, कज़ाखिस्तान में आयोजित जूनियर एशियन हैंडबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर भारत का नाम विश्व पटल पर अंकित किया है वहीं दूसरी ओर भारत सरकार द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में चलाई गई योजना इंस्पायर अवार्ड में हर वर्ष हमारे बच्चे पुरस्कार प्राप्त करते हैं, हम सबके लिए बहुत ही गौरव की बात है।

प्रश्न : विद्या भारती का शिक्षा के क्षेत्र में आने का क्या उद्देश्य है?

उत्तर : विद्या भारती ऐसे बालकों का निर्माण कर रही है, जो शिक्षित होने के साथ-साथ नैतिक, आध्यात्मिक गुणों व राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो। वह संस्कारों पर आधारित शिक्षा को महत्व देती है जिसकी आज पूरे देश को बहुत आवश्यकता है। इस हेतु पूरे देश में वह 26000 विद्यालय, महाविद्यालय, एकल विद्यालय व संस्कार केंद्र चला रही है ताकि हमारे भविष्य के नागरिकों का चहुंमुखी विकास हो सके।

प्रश्न : शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए विद्यालय की क्या योजना रहती है?

उत्तर : विद्या भारती की योजना अनुसार ऐसे विद्यार्थियों के लिए संस्कार केंद्र चलाए जाते हैं जो बच्चे आर्थिक रूप से कमजोर हैं उन्हें संस्कार केंद्रों के माध्यम से नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध करवाई जाती है। विद्यालय द्वारा ऐसे पांच संस्कार केंद्र चलाए जा रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर बालकों के लिए विद्यालय की प्रबंध समिति के नियमानुसार मासिक शुल्क में भी छूट प्रदान की जाती है। इसके अलावा विद्या निधि योजना के द्वारा अति निर्धन परिवारों को विशेष सहायता भी प्रदान की जाती है। विद्यालय द्वारा बच्चों को किताबें भी उपलब्ध करवाई जाती हैं, ताकि उनकी शिक्षा में किसी प्रकार की अड़चन न आए।

प्रश्न : आपके विचार से राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों में या शिक्षा जगत में क्या नया बदलाव लाएगी?

उत्तर : राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की अहम भूमिका होती है क्योंकि वह भविष्य के नागरिक हैं देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बालकों में कौशल एवं शैक्षणिक विकास को बढ़ावा मिलेगा जिससे वह न केवल शिक्षित होंगे बल्कि आत्मनिर्भर भी बनेंगे। हमारी पाठ्य पुस्तकों में कई ऐसी बातें जो छूट गई थी लेकिन वह हमारे समाज के लिए महत्वपूर्ण है उन्हें अब जोड़ा जाएगा। हमारे पढ़ाए गए इतिहास में बदलाव होगा जिससे बच्चों में अपने इतिहास के प्रति आदर व गौरवभाव पैदा होगा। साथ ही बालकों की गुणवत्ता व उनके वैचारिक कौशल को जो बढ़ावा दिया गया है वह देश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे।

प्रश्न : विद्यालय के विकास के लिए प्रबंध समिति द्वारा क्या बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है?

उत्तर : विद्यालय के विकास के लिए प्रबंध समिति सदैव तत्पर रहती है। हमारे विद्यालय में हरियाणा सरकार द्वारा खेल नर्सरी शुरू की गई है जिसमें भविष्य के खिलाड़ी तैयार किए जा रहे हैं! अटल लैब में बच्चों की वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया जाता है! बच्चे स्वयं नए-नए आविष्कार करने में जुटे रहते हैं इसके अलावा समय-समय पर कुछ ब्रिज कोर्स भी चलाए जाते हैं ताकि बच्चों का संपूर्ण विकास हो सके। विद्यालय को जब भी जिस भी चीज की आवश्यकता होती है वह तुरंत विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा तुरंत उपलब्ध करवाई जाती है।

जूनियर एशियन भारतीय महिला हैंडबॉल टीम कैम्प में गोपाल विद्या मंदिर की पूर्व छात्रा प्रियंका व मीनू का चयन

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान एवं हिंदू शिक्षा समिति से सम्बद्ध गोपाल विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जींद के छात्र व छात्राएं शिक्षाक्षेत्र के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी पिछले चार दशकों से अपना परचम लहरा रहे हैं। गत दिनों जहां विद्यालय की छात्रा गरिमा का एशियन भारतीय यूथ महिला हैंडबॉल टीम में चयन हुआ वहीं गोपाल विद्या मंदिर की पूर्व छात्राओं प्रियंका व मीनू का चयन जूनियर एशियन भारतीय महिला

हैंडबॉल टीम कैम्प में हो गया है। प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सैनी ने बहन गरिमा, मीनू व प्रियंका को 2100-2100 रुपए सम्मान राशि देकर उत्साहवर्धन किया। भारतीय टीम कैम्प में चयनित ये छात्राएं अब फगवाड़ा (पंजाब)में 20 फरवरी से भारतीय टीम के साथ प्रशिक्षण लेंगी और एशियाई खेलों में अपना स्थान सुनिश्चित करेंगी। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सैनी ने चयनित छात्रा प्रियंका व मीनू को पुष्पमाला व स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष महेश सिंघल व अन्य पदाधिकारियों ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्राचार्य श्री बलबीर सिंह छात्राओं को आशीर्वाद देने हेतु विद्यालय के पूर्व शारीरिक शिक्षक राजेंद्र सिंह, नरेश कुमार, सोमनाथ, सोना देवी व सभी शिक्षकों सहित विशेष रूप से उपस्थित रहे।